आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 290 | उज्जैन, मंगलवार 09 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

विश्वविद्यालयों में कृषि संकाय, फैशन डिजाइनिंग जैसे रोजगारपरक कोर्स संचालन के लिए हो रही है विशेष पहल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता और गुरूजनों के योगदान के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहें। सफलता के बाद भी उनका हमेशा सम्मान करें। दीक्षांत शपथ का प्रतिदिन मनन करें और जीवन भर उसका अनुसरण भी करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए, डिजिटल और ÷विकसित भारत÷ के सपने को साकार करने में विश्वविद्यालयों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। दीक्षांत, वह अवसर है जब शैक्षणिक यात्रा की पूर्णता के साथ, समाज और राष्ट्र की सेवा यात्रा का शुभारंभ होता है। यह केवल डिग्री प्राप्त करने का उत्सव नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के वर्षों की मेहनत, अनुशासन और गुरुजनों के

सफल मार्गदर्शन का प्रतिफल है। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। विश्वविद्यालयीन स्मारिका और पुस्तक का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल व कुलाधिपति श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अगुवाई में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की शोभा यात्रा ने मंत्रोच्चार के बीच सभागार में प्रवेश किया। राज्यपाल श्री पटेल का विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री सुरेश कुमार जैन ने पौधा, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। कुलगुरु श्री जैन ने दीक्षित विद्यार्थियों को दीक्षांत उपदेश दिया और दीक्षांत शपथ दिलाई।

डिग्री और स्वर्ण पदक प्राप्त कर खिले विद्यार्थियों के चेहरे राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से युवाओं के लिए उनके कौशल, रुचि और क्षमता के अनुसार शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर अनेक अवसर विद्यमान है। आज देश में कृषि, खाद्य, फिजिकल एजुकेशन, साइबर सिक्योरिटी, फोरेंसिक साइंस, ड्रोन तकनीक और विधि आदि विषयों में कैरियर की संभावनाएं तेजी से बढ़ी है।

दुर्घटना में बच्चे के दिव्यांग होने पर मिलेगा 4 गुना मुआवजा, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के एक दुर्घटना क्लेम मामले में सुनवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है।

अदालत ने कहा है कि दुर्घटना में बच्चे की मृत्यु या उसके स्थायी रूप से दिव्यांग होने पर क्षतिपूर्ति की गणना उसे कुशल श्रमिक मानते हुए की जाएगी। राज्य में दुर्घटना के समय कुशल श्रमिक का जो न्यूनतम वेतन होगा, उसे ही बच्चे की आय माना जाएगा। दावेदार व्यक्ति को न्यायाधिकरण के समक्ष न्यूनतम वेतन के संबंध में दस्तावेज पेश करने होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर वह ऐसा नहीं कर पाता है तो इन दस्तावेजों को पेश करने की जिम्मेदारी बीमा कंपनी की होगी। फैसले की प्रति सभी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरणों को भेजी जाए, ताकि निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो सके। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में क्या?

बता दें कि अब तक दुर्घटना में बच्चे की मृत्यु या उसके स्थायी दिव्यांग होने की स्थिति में क्षतिपूर्ति की गणना नोशन इनकम (काल्पनिक आय, वर्तमान में 30 हजार रुपये प्रतिवर्ष) के हिसाब से की जाती है। अब राज्य में कुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन के हिसाब से क्षतिपूर्ति मिलेगी।

वर्तमान में मध्य प्रदेश में कुशल श्रमिक का न्यूनतम वेतन 14844 मासिक यानी 495 रुपये प्रतिदिन निर्धारित है।

किसानों के लिए वरदान साबित हो रही फसल बीमा, आंकड़े दे रहे गवाही; आपदा में अन्नदाताओं के लिए बड़ा सहारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई राज्यों में वर्षा और बाढ़ के कारण जन-धन की भारी हानि हुई है। विशेषकर फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। प्रकृति की इस मार से टूट चुके किसानों में वे लोग राहत में हैं, जिन्होंने अपनी फसलों का बीमा कराया है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अलावा कुछ राज्यों की अपनी फसल बीमा योजना है। आइये जानें क्या है राज्यों की स्थिति-

जम्मू कश्मीर- किसानों के लिए बनी मददगार- 2017 के खरीफ सीजन से लागू इस योजना ने पिछले वर्षों में प्रीमियम और दावों के निपटान में उल्लेखनीय वृद्धि की है। योजना के पहले वर्ष यानी 2017 में 10 जिलों के 1,58,972 किसानों को कवर किया गया, लेकिन 2018-19 में संख्या घटकर 1,53,772 रह गई। 2023-24 में सभी 20 जिलों के बीमित किसानों की संख्या 2,45,628 हो गई।

नहीं लगता कोई प्रीमियम- बिहार में केवल मुख्यमंत्री फसल सहायता योजना लागू है, जिसमें प्रभावित क्षेत्र के सभी किसान कवर होते हैं। कोई प्रीमियम नहीं लगता।

आर्थर रोड जेल, बैरक नंबर... मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण की तैयारी तेज! भारत ने बेल्जियम से शेयर की सारी डिटेल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण अब चर्चा का बड़ा विषय बन चुका है। 66 साल के इस कारोबारी पर पंजाब नेशनल बैंक में 12,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। बेल्जियम के एंटवर्प में उनकी गिरफ्तारी के बाद भारत ने प्रत्यर्पण के लिए जोरदार कोशिशें शुरू की हैं।

भारत ने बेल्जियम को भरोसा दिलाया है कि चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल में ह्यूमन राइट्स के मुताबिक रखा जाएगा। लेकिन सवाल ये है कि क्या वाकई चोकसी को वहां वो सुविधाएं मिलेंगी, जो भारत दावा कर रहा है?

भारत ने बेल्जियम को एक पत्र भेजकर बताया कि चोकसी को आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। इस जेल में उन्हें साफ-सुथरी चटाई, तकिया, चादर और कंबल दिया जाएगा।

अगर मेडिकल जरूरत पड़ी तो लकड़ी या लोहे का बिस्तर भी मुहैया कराया जाएगा। उनके वकीलों का कहना है कि चोकसी को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी है, इसलिए उनकी सेहत का खास ख्याल रखना होगा।

जेल में क्या क्या सुविधाएं मिल सकती हैं- भारत का दावा है कि चोकसी को जेल में साफ पानी, 24 घंटे मेडिकल सुविधा और अच्छा खाना मिलेगा। जेल की साफ-सफाई रोज होगी और बैरक में रोशनी व हवा का पूरा इंतजाम होगा।

उन्हें हर दिन एक घंटे से ज्यादा वक्त बाहर टहलने, व्यायाम करने और मनोरंजन के लिए दिया जाएगा। मुंबई का मौसम साल भर सामान्य रहता है, इसलिए न तो हीटिंग की जरूरत है और न ही एयर कंडीशनिंग की दरकार है।

अब परिंदा भी नहीं मार सकेगा पर... ड्रोन हमलों के लिए तैयार है सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने रात के अंधेरे में भारत पर कई ड्रोन हमले किए थे। इनमें से ज्यादातर ड्रोनों को सेना ने हवा में ही मार गिराया था, लेकिन कुछ ड्रोन सीमा पार कर रिहायशी इलाकों तक पहुंचने में कामयाब रहे थे। अब सेना ने हर तरह से दुश्मन को नेस्तनाबूद करने का फैसला किया है। भारतीय सेना उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर एडवांस रडार सिस्टम स्थापित करने की तैयारी में है। इस रडार का सर्विलांस नेटवर्क बेहद मजबूत होगा, जो मुश्किल से मुश्किल हवाई हमलों को भी ढूंढ कर ट्रैक करेगा और फिर उन्हें हवा में ही मार गिराएगा।

नए रडार सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह रडार क्रॉस सेक्शन की मदद से टारगेट को ढूंढने से लेकर ट्रैक करने और उसे खत्म करने का काम करेगा। इस एडवांस रडार सिस्टम को सेना के अकाशतीर एअर डिफेंस नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

सेना ने ड्रोन को लेकर सप्लायर्स से जानकारी मांगी है। इनमें 45 लो लेवल लाइट वेट रडार (एन्हांस्ड) और 48 एअर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार-ड्रोन डिटेक्टर्स शामिल हैं। इसके अलावा 10 लो लेवल लाइट वेट रडार (इंरूव्ड) पर भी सेना ने प्रस्ताव मांगा है। यह एक तरह का सर्विलांस सिस्टम होगा, जो हवा में टारगेट को ट्रैक करके हवा में ही नष्ट कर देगा।

एडवांस रडार सिस्टम स्थापित होने के बाद सेना मुश्किल क्षेत्रों में भी दुश्मन पर नजर रख सकती है। इसकी रेंज 50 किलोमीटर होगी।

शशि थरूर ने जीएसटी में सुधारों का किया समर्थन

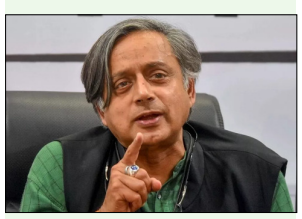

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व वाली जीएसटी काउंसिल ने टैक्स सुधार करते हुए देश के आम लोगों को बड़ी राहत दी है। जीएसटी सुधारों के बाद अब चार की जगह केवल दो स्लैब्स होंगे। इस बीच जीएसटी सुधारों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर की प्रतिक्रिया सामने आई है।

दरअसल, हाल के दिनों में ही जीएसटी रिफॉर्म के माध्यम से केंद्र सरकार ने देशवासियों को एक बड़ी राहत दी है। इन सुधारों के बाद अब चार स्लैब्स की जगह सिर्फ पांच और 18 फीसदी के दो ही जीएसटी स्लैब्स होंगे। नए सुधार 22 सितंबर से लागू होने जा रहे हैं।

ट्रंप टैरिफ का तोड़ निकालने के लिए भारत-EU आए साथ! FTA समेत कई मुद्दों पर बन गया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब रफ्तार पकड़ रही है। नई दिल्ली में 8 सितंबर से शुरू होने वाली 13वीं दौर की वार्ता में दोनों पक्ष गंभीर मसलों पर ध्यान देंगे। गैर-टैरिफ रुकावटें, बाजार में पहुंच, और सरकारी खरीद जैसे मुद्दे इस बार चर्चा का केंद्र होंगे।

दोनों पक्षों का मकसद इस साल के अंत तक इस समझौते को अंतिम रूप देना है, ताकि वैश्विक व्यापार में नई मिसाल कायम हो सके। यह समझौता न सिर्फ व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि दोनों के बीच रणनीतिक रिश्तों को भी मजबूत करेगा।

इसके साथ ही, भारत और ईयू 2026 की पहली तिमाही में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की तैयारियों में जुटे हैं।

इस सम्मेलन में कई अहम फैसले और घोषणाएं होने की उम्मीद है। दोनों पक्षों के बीच

नई दिल्ली और ब्रसेल्स में कई मुलाकातें तय हैं, जो इस समझौते को और मजबूती देंगी। खास तौर पर अमेरिका की टैरिफ नीतियों से पैदा हुई उथल-पुथल ने इस समझौते को और अहम बना दिया है।

वार्ता में क्या-क्या शामिल- 13वीं और 14वीं दौर की बातचीत में तकनीकी रुकावटें, सैनिटरी और फ़ाइटोसैनिटरी मसले, बाज़ार में पहुँच, मूल नियम, और सरकारी ख़रीद जैसे अहम मुद्दों पर ज़ोर होगा। अब तक 23 में से 11 अध्यायों पर सहमति बन चुकी है, जिनमें बौद्धिक संपदा, सीमा शुल्क, डिजिटल व्यापार, और धोखाधड़ी-रोधी उपाय शामिल हैं।

पूंजी आवाजाही पर एक और अध्याय जल्द पूरा होने वाला है। दोनों पक्ष जुलाई में आदान-प्रदान किए गए सेवाओं और निवेश के प्रस्तावों पर भी काम कर रहे हैं, ताकि सही संतुलन बनाया जा सके।

भारत ने चावल, चीनी, और डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को समझौते से बाहर रखा है, जबकि ईयू ऑटोमोबाइल और स्पिरिट्स के लिए बाज़ार में पहुंच चाहता है।

इसके अलावा, अमेरिका की ओर से झींगा जैसे समुद्री उत्पादों पर टैरिफ दोगुना करने के बाद, ईयू भारत के एक्वाकल्चर निर्यात को बढ़ावा देने पर विचार कर रहा है। पिछले साल भारत ने अमेरिका को 2.8 अरब डॉलर के झींगे निर्यात किए थे।

नेपाल में इन 26 सोशल मीडिया एप पर लगा बैन, Gen-Z क्यों कर रहे इनका विरोध?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बैन लगाने के बाद जेनेरेशन जेड के युवा प्रदर्शन करते हुए संसद में दाखिल हो गए। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चला दी। इस गोलीबारी में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है।

नेपाल में अराजकता का माहौल तब पैदा हुआ जब केपी ओली सरकार ने चार सितंबर को फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप सहित 26 सोशल मीडिया एप्स पर बैन लगा दिया। सरकार के इस फैसले के युवा नाराज हो गए और सड़कों पर उतर आए।

इन सोशल मीडिया एप नेपाल में लगा बैन- नेपास सरकार ने आदेश के मुताबिक, फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप, ट्विटर, लिंक्डइन, स्नैपचैट, रेडिट, डिस्कॉर्ड, पिनटेरेस्ट, सिग्नल, थ्रेड्स, वीचैट, क्वोरा, टम्बलर, क्लबहाउस, रंबल, एमआई वीडियो, एमआई वाइक, लाइन, इमो, जालो, सोल और हैमरो पैट्रो सहित अन्य सभी प्रमुख सोशल मीडिया और संचार प्लेटफॉर्म तब तक बैन रहेंगे जब तक वे रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी नहीं कर लेते।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों में भिड़ंत- नेपाल में सोशल मीडिया एप पर बैन के खिलाफ Gen-Z सड़कों पर उतर आए और संसद भवन में घुसने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए रबर की गोलियां दागीं, जिसके बाद प्रदर्शनकारी आक्रोशित हो गए और पुलिस ने भिड़ गए। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोली चलाई जिसमें 10 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

संसद भवन में घुसे प्रदर्शनकारी- प्रदर्शनकारियों को गोली लगने से हालात और बिगड़ गए और वो संसद में दाखिल हो गए। फिलहाल संसद भवन और पीएम आवास के बाहर प्रदर्शनकारियों का कब्जा है। उनका कहना है कि सरकार जबतक अपना फैसला वापस नहीं लेती वो प्रदर्शन करते रहेंगे।

नेपाल के कई इलाकों में लगा कर्फ्यू- प्रदर्शनकारियों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए काठमांडू के कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है, जिससे हालात को काबू किया जा सके। विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने के बाद सड़कों पर सेना उतार दी गई है।

कौन हैं शबाना महमूद, जिन्हें ब्रिटिश पीएम ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी? पाकिस्तान से जुड़ा है पुराना नाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर ने हाल के दिनों में अपने मंत्री मंडल में विस्तार किया है। मंत्रिमंडल में हुए फेरबदल में पाकिस्तान से ताल्लुकात रखने वाली शबाना महमूद को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दरअसल, ब्रिटेन के पीएम ने शबाना महमूद को गृह सचिव बनाया है। शबाना महमूद पहली महिला मुस्लिम है, जो इस पर पहुंची हैं। पाकिस्तानी मूल की शबाना अब से यवेट कूपर की जगह लेंगी। फेरबदल के दौरान कूपर को विदेश मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है।

कौन हैं शबाना महमूद- बता दें कि 44 साल की शबाना लेबर पार्टी की सांसद हैं। उन्होंने बर्मिंघम लेजीवुड सीट से चुनाव में जीत हासिल की थी। शबाना का जन्म 1980 में बर्मिंघम में हुआ था। बताया जाता है कि वह बर्मिंघम में अपने जुड़वा भाई के साथ पली बढ़ीं थीं। शबाना का परिवार का पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मीरपुर से रिश्ता है।

कहां से की कानून की पढ़ाई- इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, शबाना ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के लिंकन कॉलेज से कानून की पढ़ाई की है। इसके बाद वह वकील बनीं। शबाना साल 2010 में ब्रिटिश संसद पहुंचने वाली पहली मुस्लिम महिलाओं में शामिल हो गईं। बता दें कि उन्होंने अपना बचपन यूके और सऊदी अरब में बिताया है।

शबाना को कौन सी जिम्मेदारी मिली?- उल्लेखनीय है कि लेबर पार्टी को 2024 के चुनाव में मिली जीत के पहले वे पार्टी की नेशनल कैंपेन कोऑर्डिनेटर भी रह चुकी हैं।

भारत पर टैरिफ लगाना बिल्कुल सही..., जेलेंस्की का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगा रखा है। वहीं, अब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी ट्रंप के टैरिफ पर उनका समर्थन किया है। जेलेंस्की का कहना है कि टैरिफ लगाकर ट्रंप ने बिल्कुल सही किया।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने ट्रंप के टैरिफ का समर्थन करते हुए कहा कि कई यूरोपीय देश आज भी रूस से तेल और गैस खरीद रहे हैं, जो सही नहीं है। रूस के साथ व्यापार पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में जब जेलेंस्की से पूछा गया कि हाल ही में मोदी, पुतिन और चिनफिंग को एक-साथ शंघाई समिट में देखा गया था। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उन्होंने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर भयंकर टैरिफ लगा दिए हैं।

वहीं, जेलेंस्की ने रूस से तेल और गैस खरीदने पर यूरोपीय देशों की भी आलोचना की है। जेलेंस्की का कहना है, ÷हमें लगता है पुतिन पर और अधिक दबाव डालने की जरूरत है। यह दबाव अमेरिक को डालना चाहिए। मैं सभी यूरोपीय सहयोगियों का शुक्रगुजार हूं, लेकिन उनमें से कुछ देश आज भी रूस से तेल और गैस खरीद रहे हैं।

वजन घटाओ, नोट कमाओ, कंपनी दे रही गजब का ऑफर; वेट लॉस करने पर कर्मचारियों को मिलेंगे लाखों डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में एक कंपनी अपने कर्मचारियों को वजन कम करने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से एक चैलेंज का आयोजन किया है। इस चैलेंज में वजन कम करने वाले एक कर्मचारी को 2,800 डालर (करीब 2.5 लाख रुपये) मिले हैं।

साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, शेन्जेन स्थित टेक फर्म अरशी विजन इंक अपने वार्षिक मिलियन युआन वेट लास चैलेंज की वजह से सुर्खियां बटोर रही है। कंपनी अब तक कर्मचारियों को 20 लाख युआन यानी करीब 2.4 करोड़ रुपये कर्मचारियों को पुरस्कार के तौर पर दे चुकी है।

कितना वजन कम करने पर मिलता है पुरस्कार- सभी कर्मचारी इस चैलेंज के रजिस्ट्रेशन के लिए पात्र हैं और प्रत्येक 500 ग्राम वजन कम करने पर प्रतिभागियों को 500 युआन का नकद पुरस्कार दिया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इस चुनौती में जुर्माने का नियम भी शामिल है। जिन प्रतिभागियों का वजन फिर से बढ़ जाता है, उन्हें हर आधा किलो वजन बढ़ने पर 800 युआन (9,337 रुपये) का जुर्माना देना होता है।

क्या है मशरूम मर्डर की कहानी? सास-ससुर समेत 3 को मौत के घाट उतारने वाली ऑस्ट्रेलियाई महिला को हुई उम्रकैद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की अदालत ने एक 50 वर्षीय महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई है। महिला पर 3 लोगों की हत्या का आरोप है। उसने जहरीले मशरूम खिलाकर सास-ससुर समेत 3 लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

2023 के इस हत्याकांड ने पूरी दुनिया में सनसनी फैला दी थी। इस केस को मशरूम मर्डर के नाम से जाना जाता है। 2 साल बाद कोर्ट ने आरोपी महिला को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा दी है। वहीं, 33 साल बाद महिला को पेरोल मिल सकती है।

डिनर पर रची मर्डर की साजिश- दरअसल यह मामला 2023 का है। पैटरसन नामक एक महिला अपने पति से अलग हो गई थी। एक रात अचानक उसने अपने ससुराल वालों को डिनर का निमंत्रण दिया। पैटरसन के पति ने डिनर पर आने से साफ मना कर दिया, लेकिन उन्होंने अपने माता-पिता और चाचा-चाची को डिनर पर जाने से नहीं रोका।

पैटरसन ने सभी को खाना परोसा। डिनर में बीफ और पेस्ट्री भी मौजूद थे, लेकिन इनमें डेथ कैप मशरूम डाला गया था। इसे खाते ही पैटरसन की सास, ससुर और चाची सास ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, उनके चाचा ससुर की जान बच गई।

क्या है डेथ कैप मशरूम- डेथ कैप मशरूम बेहद जानलेवा होता है। पहले यह सिर्फ यूरोप में पाया जाता था। मगर, अब डेथ कैप मशरूम ऑस्ट्रेलिया और उत्तरी अमेरिका में भी देखने को मिलते हैं। यह दिखने में बिल्कुल आम मशरूम जैसे होते हैं, इसलिए कई बार लोग पहली नजर में इसे देखकर धोखा भी खा सकते हैं।

नेतन्याहू को PM मोदी से सीखना चाहिए..., गाजा में तबाही के बाद इजरायली डिफेंस एक्सपर्ट ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के रक्षा नीति विशेषज्ञ जकी शालोम ने अपने देश को भारत से सीख लेने की सलाह दी है। जकी का कहना है कि भारत जिस तरह से अमेरिका के टैरिफ के सामने डटकर खड़ा है, उससे इजरायल को भी कुछ सीखना चाहिए।

जकी शालोम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका की टैरिफ नीति के खिलाफ पीएम मोदी का सख्त रुख और भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान दी गई प्रतिक्रिया से सबक मिलता है कि राष्ट्रीय सम्मान विलासिता की वस्तु नहीं है, बल्कि यह बहुत बड़ी रणनीतिक संपत्ति है।

पिछले कुछ दिनों में भारत और अमेरिका के रिश्तों में खटास देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने का हवाला देकर भारत पर भारी टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का भी दावा किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिरे से खारिज कर दिया। इसके बाद से ही ट्रंप भारत के खिलाफ तेवर दिखाने लगे।

शालोम के अनुसार,- आर्थिक और सैन्य संकटों पर पीएम मोदी ने सख्त रवैया दिखाकर न सिर्फ निजी बल्कि राष्ट्रीय सम्मान को भी बचाया है। उन्होंने ट्रंप के 4 फोन कॉल नहीं उठाए। इस मामले में इजरायल भी कुछ जरूरी चीजें सीख सकता है।

शालोम ने गाजा के अस्पताल पर इजरायली हमले की भी आलोचना की है। इस हमले में 20 लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि इजरायली सुरक्षाबल, चीफ ऑफ स्टाफ और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के द्वारा अलग-अलग प्रतिक्रिया दर्शाती है कि सभी अंतरराष्ट्रीय विचारों को शांत करना चाहते हैं।

यरुशलम में हुई भीषण गोलीबारी में 5 की मौत, पुलिस ने हमलावरों को मार गिराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। यरुशलम में गोलीबारी में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है। इजरायली इमरजेंसी सेवा ने कहा कि इस गोलीबारी में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई है और 15 से ज्यादा लोग घायल हैं। पुलिस ने कहा है कि हमलावर मारे गए हैं।

टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार, कम से कम दो बंदूकधारियों ने गोलीबारी की है। समाचार एजेंसी एएफपी ने आपातकालीन सेवा के प्रमुख मैगन डेविड एडोम के बयान के हवाले से कहा, स्थानीय समयानुसार सुबह 10:13 बजे, रिपोर्ट मिली कि लगभग 15 लोग घायल हुए हैं, जो यरुशलम के यिगाल यादिन स्ट्रीट पर रामोट जंक्शन पर गोलीबारी में घायल हुए हैं।

टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को यरुशलम में एक बस में सवार होकर हमलावरों ने यात्रियों पर गोलीबारी की, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। घायलों में से सात की हालत गंभीर है, जबकि पांच को हल्की चोटें आई हैं।

इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सुरक्षा प्रमुखों के साथ स्थिति का आकलन कर रहे हैं। ङ्क पर एक पोस्ट में इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू यरुशलम में हुए हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था के प्रमुखों के साथ स्थिति का आकलन कर रहे हैं।

यरुशलम के रामोट जंक्शन पर हुए घातक हमले को अंजाम देने वाले हमलावरों ने एक अस्थायी कार्लो सबमशीन गन का इस्तेमाल किया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में NDA का पलड़ा कितना भारी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे इंतजार के बाद कल यानी मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सियासी हलचल तेज गई है। बीजेपी के नेतृत्व वाले ह्रष्ठ गठबंधन का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। हालांकि पिछली बार के मुकाबले इस बार जीत की चमक फीकी पड़ सकती है।

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में संसद के सभी सदस्य सीक्रेट बैलेट में वोट डालेंगे। लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद इस वोटिंग में हिस्सा लेंगे। वैसे तो सांसद अपनी मर्जी से किसी भी उम्मीदवार को वोट दे सकते हैं, लेकिन ज्यादातर सदस्य पार्टी के आदेश का पालन करते हुए अपने गुट के उम्मीदवार को ही मत देते हैं। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में क्रॉस वोटिंग भी बेहद आम है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पिछले चुनाव में बीजेपी का साथ दे चुके हैं। 2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में ह्रष्ठ उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने शानदार बहुमत हासिल किया था। अपने गुट के अलावा उन्हें ड्डस्क्र कांग्रेस, बीजेडी का भी समर्थन मिला था। जगदीप धनखड़ को कुल 75 प्रतिशत वोट मिले थे।

वर्तमान समय की बात करें तो राज्यसभा में 239 और लोकसभा में 542 सांसद हैं। दोनों को मिलाकर सांसदों की संख्या 781 हो जाती है और उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को जीत के लिए आधे सांसदों यानी 391 वोटों की जरूरत होगी। इन आंकड़ों के अनुसार, ह्रष्ठ उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत लगभग तय है।

माड्या में गणपति विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक झड़प, दो समुदाय में पथराव से तनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के माड्या में रविवार को भगवान गणेश की मूर्ति विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक झड़प हुई। इसके बाद मांड्या जिले के मद्दुर कस्बे में तनाव फैल गया। स्थिति को नियंत्रण करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है।

दरअसल, दूसरे समुदाय के उपद्रवियों द्वारा कथित तौर पर पथराव किए जाने के बाद स्थिति स्थिति बिगड़ी, जिसके कारण व्यापक अशांति का माहौल फैल गया।

कहां की घटना- पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस समय शुरू हुई जब लोग राम रहीम नगर में गणेश विसर्जन जुलूस में हिस्सा ले रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान दोनों समुदायों के युवकों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद पुलिस मामले को शांत करने में जुट गई। इस घटना के बाद घटनास्थल पर पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी पहुंचे और स्थिति को जायजा लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने अतिरिक्त बलों को तैनात किया है और आगे तनाव बढ़ने से रोकने के लिए मद्दुर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। इसके बाद पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच गणेश विसर्जन संपन्न कराया।

पश्चिम बंगाल में रेत तस्करी मामले में बड़ा एक्शन, ED ने 22 ठिकानों पर की छापामारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने बंगाल में अवैध रेत तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत सोमवार सुबह 22 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। इस कार्रवाई में कोलकाता व आसपास के इलाकों, झाड़ग्राम, नदिया जिले में छापे मारे गए। केंद्रीय बलों की मौजूदगी में यह अभियान चलाया गया है।

जानकारी के अनुसार, झाड़ग्राम के गोपीबल्लभपुर में शेख जहीरुल अली नामक एक व्यवसायी के घर पर छापेमारी की गई है। इसके अलावा कोलकाता से सेट बेहाला में एक कंपनी के दफ्तर पर भी छापेमारी की गई है, जो कथित तौर पर अवैध रेत कारोबार से जुड़ी है।

भारी मात्रा में केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान मौजूद- बताया जा रहा है कि छापेमारी कर रहे ईडी अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान भी मौजूद थे। एक अधिकारी ने बताया कि इस कार्रवाई के केंद्र में पश्चिम बंगाल के झारग्राम ज़िले में इस रैकेट का एक प्रमुख व्यक्ति शेख जहीरुल था। ईडी के अधिकारी गोपीबल्लवपुर में सुवर्णरेखा नदी के पास स्थित उसके विशाल आवास पर तलाशी ले रहे थे।

एक अधिकारी ने बताया कि जहीरुल के आवास, कार्यालय और वाहनों की तलाशी ली जा रही है।

अग्रिम जमानत के लिए सीधा हाईकोर्ट जाना सही? सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार; Kerala High Court पर की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट जाने का विकल्प खुला रहेगा या फिर पहले सेशन कोर्ट जाना अनिवार्य होगा, इस विषय पर विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। शीर्ष अदालत ने ये भी कहा कि केरल हाईकोर्ट में यह प्रथा भी बन गई है, जिसमें अग्रिम जमानत की अर्जियों पर सीधे विचार किया जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी दो व्यक्तियों द्वारा केरल उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने सेशन कोर्ट गए बिना ही राहत के लिए सीधे हाईकोर्ट का रुख किया।

अग्रिम जमानत के लिए सीधा हाईकोर्ट गए वादी - जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि केरल हाईकोर्ट में एक प्रथा प्रतीत होती है, जिसमें हाईकोर्ट द्वारा वादियों के बिना सेशन कोर्ट गए बिना ही अग्रिम जमानत की अर्जियों पर विचार किया जाता है। पीठ ने कहा कि पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता और नए बीएनएस में भी इसके लिए एक प्रक्रिया है।

अदालत ने यह देखा कि सेशन कोर्ट गए बिना अग्रिम जमानत के लिए सीधा हाईकोर्ट का रुख करने के कारण उचित तथ्य रिकॉर्ड पर नहीं रखे जा सके। पीठ ने आगे कहा, हम इस पहलू पर विचार करने और इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए इच्छुक हैं कि क्या उच्च न्यायालय का रुख करने का विकल्प पक्षकार की पसंद पर निर्भर होगा या यह अनिवार्य होना चाहिए कि आरोपी पहले सत्र न्यायालय का रुख करे।

सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में अपने रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से केरल उच्च न्यायालय को नोटिस जारी किया है। पीठ ने मामले में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा को न्यायमित्र नियुक्त किया तथा मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी।

आधार को बनाएं 12वां दस्तावेज..., बिहार में SIR पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव नजदीक आने के साथ ही स्पेशल इंटेसिव रिवीजन का मुद्दा लगातार तूल पकड़ रहा है। कई लोगों का नाम मतदाता सूची से बाहर होने का दावा किया जा रहा है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के मतदाताओं के लिए राहत का फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि आधार कार्ड को भी 12वें दस्तावेज के रूप में शामिल किया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने SIR के तहत बिहार के सभी नागरिकों से नागरिकता प्रमाण पत्र दिखाने की मांग की थी। इसके लिए चुनाव आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की थी, जिनसे नागरिकता सिद्ध की जा सकती है। मगर, अब सुप्रीम कोर्ट ने 12वें दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड को जोड़ने का आदेश दिया है।

SIR पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड को सूची में जगह दी जा सकती है। हालांकि, इसे नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। इसलिए चुनाव आयोग अगर चाहे तो आधार कार्ड की प्रामाणिकता और वास्तविकता की जांच कर सकता है।

बता दें कि चुनाव आयोग की SIR प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। पहले इस मामले पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आधार अधिनियम के तहत आधार कार्ड को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय अभी भी अपने इस फैसले पर बरकरार है। हालांकि, चुनाव आयोग के द्वारा सुझाए गए 11 दस्तावेजों के अभाव में आधार कार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन चुनाव आयोग के पास इसकी सत्यता के जांच के अधिकार होंगे।

जयपुर के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट में बवाल, सीट बुकिंग को लेकर स्टाफ और ग्राहकों में हाथापाई; युवतियों को भी पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के प्रसिद्ध नाहरगढ़ किले की प्राचीर पर स्थित पड़ाव रेस्टोरेंट में रविवार को भारी बवाल हो गया।

बताया जा रहा है कि ये हंगामा उस समय हुआ, जब खाना खाने के लिए आईं युवतियों और उनके साथ आए लोगों की रेस्टोरेंट स्टाफ से बुक सीट को लेकर कहासुनी हो गई।

शुरुआत में ये बहस मामूली रही, लेकिन देखते ही देखते इतनी बढ़ गई कि रेस्टोरेंट के कर्मचारी एकजुट हो गए और ग्राहकों पर टूट पड़े। वहीं, इस झगड़े के दौरान जो लोग बीच बचाव में आए उन्हें भी पीटा गया। इस पूरी घटना का वीडियो वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

जानिए पूरा मामला- दरअसल, ये पूरा घटनाक्रम राजस्थान पर्यटन विभाग के अधीन आने वाले पड़ाव रेस्टोरेंट का है। यहां पर रविवार रात के करीब 8 बजे कुछ ऐसा हुआ जो सामान्य नहीं थी। रेस्टोरेंट पर इस दौरान कुछ युवक और युवतियां खाना खाने के लिए आए। इसी दौरान वहां पर वेटर से उनकी कहासुनी हो गई। कहासुनी धीरे-धीरे नोकझोंक में बदली और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई।

लोगों ने लगाए ये आरोप- यहां पर मौजूद लोगों का आरोप है कि रेस्टोरेंट कर्मचारी ने लड़की के साथ छेड़छाड़ की, जिसका विरोध किया गया। इसके बाद दोनों पक्षों में बहस हुई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। पीड़ित पक्ष ने ब्रह्मपुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

रेस्टोरेंट के प्रबंधक का आरोप क्या है- इस बीच घटना को लेकर इस रेस्टोरेंट के महाप्रबंधक ने आरोप लगाते हुए कहा कि एक थानेदार की सिफारिश पर ये युवक और युवतियां रेस्टोरेंट पर पहुंचे थे। इस दौरान एक लड़की ने बदसलूकी के साथ वेटर के थप्पड़ जड़ दिया, जिसके बाद विवाद बढ़ा। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से शिकायत को दर्ज किया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्

सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

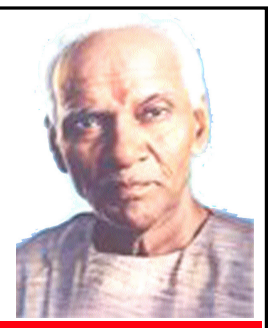

संपादकीय

मानव सभ्यता की प्रगति के साथ -साथ मानसिक,सामाजिक और आर्थिक जटिलताएँ भी बढ़ती गई हैं...

मानव सभ्यता की प्रगति के साथ -साथ मानसिक,सामाजिक और आर्थिक जटिलताएँ भी बढ़ती गई हैं। इन्हीं जटिलताओं से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है,आत्महत्या। यह केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय नहीं होता,बल्कि इसके पीछे सामाजिक़ मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों का गहरा प्रभाव होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर आत्महत्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक माना जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 7 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवाते हैं, जिसका अर्थ है कि हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं,बल्कि वैश्विक संकट है। जिसका समाधान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मिट बुलाकर करना समय की मांग है। बता दे भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति की घोषणा की है। यह देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है,जिसमें वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 पर्सेंट की कमी लाने के लिये समयबद्ध कार्य योजना और बहु- क्षेत्रीय सहयोग शामिल है।यह रणनीति आत्महत्या की रोकथाम के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र रणनीति के अनुरूप है।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या क्या है और क्यों की जाती है? किस देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या होती है?इसको समझने की करें तो, आत्महत्या का सामान्य अर्थ है, व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी जान लेना। यह निर्णय किसी क्षणिक आवेग का नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होता है। डब्लूएचओ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में से लगभग 77 पर्सेंट लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों से होते हैं,जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सीमित होती हैं और सामाजिक कलंक के कारण लोग मदद माँगने से कतराते हैं। आत्महत्या के मुख्य कारणों में डिप्रेशन,बाइपोलर डिसऑर्डर, सिज़ोफ्रेनिया, नशे की लत, तथा सामाजिक अलगाव प्रमुख हैं। इसके अलावा रिश्तों में असफलता, बेरोजगारी, आर्थिक2 तंगी,घरेलू हिंसा और युवाओं पर शिक्षा व करियर का दबाव भी आत्महत्या के प्रमुख कारक हैं।वैश्विक स्तर परआत्महत्या की दर हर देश में अलग-अलग है।डब्ल्यूएचओ की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि लिथुआनिया दक्षिण कोरिया,रूस, गुयाना और जापान जैसे देशों में प्रति 1 लाख आबादी पर आत्महत्या दर सबसे अधिक दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, लिथुआनिया में यह दर लगभग 25.7 प्रति 1 लाख है, जबकि दक्षिण कोरिया में लगभग 20.2 प्रति 1 लाख। वहीं भारत और चीन जैसे देशों में कुल आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है,क्योंकि यहाँ जनसंख्या बहुत बड़ी है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरब) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में 1.64 लाख से अधिक आत्महत्याएँ दर्ज की गई, यांनें हर दिन औसतन 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या दैनिक वेतन बोगियों, छात्रों और किसानों की है। जापान में आत्महत्या लंबे समय से सामाजिक समस्या रही है।

अर्जुन लाल सेठी

अर्जुन लाल सेठी भारत के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। दिल्ली में चाँदनी चौक से जब गवर्नर-जनरल लॉर्ड हार्डिंग का जुलूस गुजर रहा था, तब इस पर बम फेंका गया। बम फेंकने की यह योजना अर्जुन लाल सेठी द्वारा बनाई गई थी। अतः सेठी को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके खिलाफ कोई सबूत ना मिलने से उन्हें सजा तो नहीं दी जा सकी, फिर भी बिना मुकदमा चलाए सेठी को जेल में बंद रखा गया। सन 1920 में जब राजनीतिक कैदियों को क्षमा किया गया तो अर्जुन लाल सेठी को भी छोड़ दिया गया। जेल से आने के बाद इनका कार्य स्थल अजमेर हो गया।

परिचय

अर्जुन लाल सेठी का जन्म 9 सितंबर, 1880 ई. को जयपुर के एक जैन परिवार में हुआ था। 1902 में उन्होंने इलाहाबाद से बीए की परीक्षा पास की। इसके बाद वह चोमूँ के ठाकुर देवी सिंह के शिक्षक नियुक्त हुए। 1960 में उन्होंने लोगों को राजनीतिक शिक्षा देने के लिए जयपुर में वर्धमान विद्यालय की स्थापना की। प्रत्यक्ष रुप से वह एक धार्मिक विद्यालय था, किंतु वास्तव में यहां क्रांतिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाता था। इस विद्यालय में न केवल राजस्थान से बल्कि देश के अन्य भागों से भी क्रांतिकारी प्रशिक्षण लेने आते थे। धीरे-धीरे अर्जुन लाल सेठी का स्कूल राजस्थान में क्रांतिकारियों की गतिविधियों का अड्डा बन गया।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ

क्रांतिकारी आंदोलन को चलाने के लिए धन की आवश्यकता थी। अतः अर्जुन लाल सेठी ने मुग़लसराय स्थित एक धनी महंत की हत्या कर उसका धन प्राप्त करने की योजना बनाई। सेठी ने वर्धमान विद्यालय के शिक्षक विष्णुदत्त के नेतृत्व में 4 विद्यार्थियों को बनारस भेजा। इस दल ने 20 मार्च, 1913 को महंत और उसके नौकर की हत्या कर दी, लेकिन दुर्भाग्य से उनके हाथ कुछ भी नहीं लगा। हत्याकांड में भाग लेने वाले सभी क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनमें से एक छात्र मोतीचंद को फांसी दे दी गई और विष्णुदत्त को आजीवन कारावास की सजा दी गई। सबूत के अभाव में अर्जुन लाल सेठी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका।

गिरफ़्तारी

23 दिसंबर को भारत के गवर्नर-जनरल लॉर्ड हार्डिंग का जुलूस दिल्ली में जब चाँदनी चौक से गुजरा, तभी उस पर बम फेंका गया। सामान्यतः यह माना जाता है कि बम फेंकने वाले प्रसिद्ध क्रांतिकारी रास बिहारी बोस थे, किंतु वास्तव में यह बम राजस्थान के क्रांतिकारी ठाकुर जोरावर सिंह बारहठ ने बुर्का ओढ़कर चांदनी चौक में स्थित मारवाड़ी लाइब्रेरी से फेंका था। हार्डिंग बम कांड के सिलसिले में जो व्यक्ति बंदी बनाए गए, उनमें राजस्थान के प्रमुख क्रांतिकारी बालमुकुंद, मोतीचंद और विष्णुदत्त भी थे। इस मुकदमे के मुखबिर अमीरचंद ने अपनी गवाही देते समय यह रहस्य उद्घाटन किया कि षड्यंत्र की योजना अर्जुन लाल सेठी के द्वारा तैयार की गई थी। अतः सेठी को गिरफ्तार कर लिया गया।

सज़ा

अर्जुन लाल सेठी के खिलाफ कोई सबूत ना मिलने से उन्हें सजा तो नहीं दी जा सकी, फिर भी बिना मुकदमा चलाए सेठी को जेल में बंद रखा गया। बाद में 5 अगस्त, 1914 को जयपुर के महाराज के आदेश से उन्हें 5 वर्ष का कारावास मिला। सरकार को भय था कि जयपुर जेल में अर्जुन लाल सेठी की उपस्थिति से जयपुर की शांति और व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है, इसलिए सेठी को वेल्लोर (मद्रास) जेल में भेज दिया गया।

रिहाई

वेल्लोर में अर्जुन लाल सेठी ने राजनीतिक कैदियों के साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार के खिलाफ 70 दिन की भूख हड़ताल रखी। सन 1920 में जब राजनीतिक कैदियों को क्षमा किया गया तो सेठी को भी छोड़ दिया गया।

क्रांतिकारियों से सम्बंध

जेल से आने के बाद अर्जुन लाल सेठी का कार्य स्थल अजमेर हो गया। उनके पास प्रसिद्ध क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद और उनके दल के लोग मार्गदर्शन के लिए आते थे। उन्होंने मेरठ षड्यंत्र कांड के अभियुक्त शौकत उस्मानी और काकोरी कांड के फरार अभियुक्त अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ को अपने घर में शरण दी थी।

मृत्यु

गांधीवादी कांग्रेसियों के षड्यंत्र के कारण अर्जुन लाल सेठी कांग्रेस से अलग हो गए। उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उन्होंने अपना जीवन निर्वाह करने के लिए अजमेर में ही ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर मुसलमान बच्चों को अरबी और फ़ारसी पढ़ाना शुरू कर दिया था और यहीं पर 23 दिसंबर, 1941 को उनका निधन हो गया। दरगाह के लोगों ने उन्हें मुस्लिम समझकर दफना दिया। राजस्थान की राजनीतिक चेतना जागृत करने वाले नायकों में अर्जुन लाल सेठी अग्रणीय हैं।

15 सितंबर से बदलने वाले हैं यूपीआई से जुड़े ये नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज ग्राहक से लेकर दुकानदार तक हर कोई यूपीआई का उपयोग कर रहा है। आपके घर के पास स्थित लगभग हर दुकान में भी आपको यूपीआई स्कैनर जरूर दिख जाएगा। ये दुकानदार और ग्राहक दोनों की जरूरत बन चुका है। आज हम हर छोटी बड़ी जरूरतों के लिए यूपीआई का उपयोग करने लगे हैं। इसलिए इसमें होने वाले बदलाव का भी हम पर सीधा असर पड़ता है। 15 सितंबर यानी आज से 6 दिन बाद यूपीआई से जुड़े कई नियम बदलने वाले हैं। आइए इनके बारे में एक-एक करके जानते हैं।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार यूपीआई को नियंत्रित करने वाली संस्था हक्कष्ट्ढ द्वारा यूपीआई की ट्रांजैक्शन लिमिट को कुछ कैटेगरी के लिए बढ़ा दिया गया है। ये बदलाव कुछ खास कैटेगरी के लिए ही किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि बड़े बिजनेसमैन को लेन-देन करते वक्त आसानी हो।

पूंजी बाजार निवेश और बीमा में होने वाली लेन-देन की सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये प्रति भुगतान कर दी जाएगी। वहीं 24 घंटे के अंतराल में इसकी अधिकतम लिमिट 10 लाख रुपये तक हो जाएगी।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस और कर भुगतान के लिए सीमा 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये प्रति लेनदेन कर दिया गया है।

दिवाली के समय घर जाने में आसानी हो, इसलिए यात्रा बुकिंग की सीमा 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये प्रति लेनदेन कर दी जाएगी। इसमें हर दिन की सीमा 10 लाख रुपये तक होने वाली है।

क्रेडिट कार्ड के बिल भुगतान की सीमा 5 लाख रुपये तक की जाएगी। हालांकि हर दिन की सीमा 6 लाख रुपये तक होगी।

वहीं ईएमआई की भुगतान के लिए प्रति लेनदेन सीमा 5 लाख रुपये तक होगी। इसमें हर दिन की सीमा 10 लाख रुपये रखी गई है।

चार साल में 6500% से ज्यादा चढ़ गया यह शेयर, अब चीन की कंपनी से हुई बड़ी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रिक गाड़ियों के चार्जर और सोलर प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम के शेयर सोमवार को 7 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 133.48 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह उछाल एक बड़ी डील के बाद आया है। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड ने झुहाई पिविन न्यू एनर्जी के साथ एक एक्सक्लूसिव स्ट्रैटेजिक साझेदारी की है। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम के शेयरों में 4 साल से कुछ ज्यादा समय में 6500 पर्सेंट का उछाल आया है।

सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम ने एक रिलीज में बताया है, सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड ने चीन की कंपनी झुहाई पिविन न्यू एनर्जी (पायलट ग्रुप) के साथ एक एक्सक्लूसिव स्ट्रैटेजिक साझेदारी की है। यह गठजोड़ भारत में एडवांस्ड बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स के टेक्नोलॉजी सपोर्ट और लोकल मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस करेगा। यह साझेदारी भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन में एक बड़ा मुकाम है। यह गठजोड़ बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स में झुहाई पिविन न्यू एनर्जी के ग्लोबल एक्सपर्टाइज और सर्वोटेक की घरेलू मैन्युफैक्चरिंग मजबूती को कंबाइंड करता है।

BRICS देशों में किसकी करेंसी सबसे ताकतवर; भारत-ब्राजील-रूस नहीं, इस देश ने मार ली बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। BRICS को पहले BRIC कहा जाता था। इसमें तब Brazil, Russia, India और China शामिल थे। बाद में South Africa शामिल हुआ, तो BRIC बन गया BRICS समय के साथ इसमें 5 और मेंबर जुड़े, जिनमें मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। यानी अब BRICS में कुल 10 देश शामिल हैं। आइए जानते हैं कि इन 10 देशों में सबसे मजबूत करेंसी किसकी है।

इस देश की मुद्रा सबसे मजबूत- इन 10 देशों में सबसे मजबूत करेंसी यूएई की है। यूएई का 1 दिरहम 24.01 रुपये के बराबर है। वहीं 1 दिरहम 1.94 चाइनी युआन और रूस के 22.26 रूबल के बराबर है। साउथ अफ्रीका की करेंसी भी यूएई से कमजोर है। 1 दिरहम 4.78 साउथ अफ्रीकन रैंड के बराबर है। कितनी बड़ी है BRICS की GDP- एक रिपोर्ट के अनुसार, विस्तारित ब्रिक्स ग्रुप की संयुक्त नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2025 के मध्य तक लगभग 77 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गयी, जो जी7 के 57 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। पीपीपी आधार पर, ब्रिक्स के पास वैश्विक जीडीपी का लगभग 35त्न हिस्सा है, जो जी7 के 30त्न से अधिक है।

नए देशों की एंट्री से बढ़ी जीडीपी

ग्रुप का आर्थिक उत्पादन वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 40त्न है। साथ ही दुनिया की लगभग आधी आबादी भी इसमें आती है। 2024 में कई नए देशों के शामिल होने से समूह के ओवरऑल आर्थिक साइज और ग्लोबल इम्पैक्ट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

लास्ट टाइम में कर रहे हैं इनकम टैक्स फाइल? जल्दबाजी में कहीं आप तो नहीं कर रहे हैं ये गलतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटीआर फाइल 2025 की अंतिम तारीख नजदीक आ रही है। ऐसे में टैक्सपेयर जल्द से जल्द आईटीआर फाइल करना चाहते हैं। जल्दबाजी में काम करते वक्त अक्सर कई बार गलतियां हो जाती है। अगर आप भी इस समय आईटीआर फाइल कर रहें हैं और गलतियों से बचाव करना चाहते हैं, तो ये लेख आपके लिए है।

आईटीआर फाइल करते वक्त अक्सर हम कुछ बातों पर गौर नहीं करते, जो बाद में एक बड़ी गलती बन जाती है। इससे रिफंड मिलने में भी दिक्कत आती है। आइए इन गलतियों के बारे में एक-एक करके बात करें। ताकि आप आईटीआर फाइल करते वक्त इनका ध्यान रखें।

इन गलतियों से करें बचाव- असेसमेंट ईयर गलत चुनना- आईटीआर फाइल करते वक्त अक्सर लोग असेसमेंट ईयर को लेकर कंफ्यूज रहते हैं। अगर कोई व्यक्ति 2024-25 में होने वाली कमाई के लिए आईटीआर फाइल कर रहा है, तो उसे असेसमेंट ईयर 2024-25 चुनना होगा। हालांकि अक्सर लोग इसमें गलत चयन कर लेते हैं।

इनकम टैक्स की ओर से इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए कई तरह के फॉर्म जारी किए जाते हैं। अक्सर टैक्सपेयर इस बात से कंफ्यूज रहते हैं कि उनके लिए आईटीआर फाइल करते वक्त कौन-सा फॉर्म जरूरी है।

टिकट से 100 करोड़, दस सेकेंड वाले विज्ञापन की फीस 16 लाख, भारत-पाक मैच BCCI से PCB के लिए तगड़ी कमाई का जरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच, इन देशों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए एक अहम इंवेट होता है इसीलिए एक मैच से बीसीसीआई से लेकर आईसीसी और पीसीबी को अरबों रुपये की कमाई होती है। दरअसल, मैच के टिकट, टूर्नामेंट के आयोजक और विज्ञापनों से बड़ा रेवेन्यू आता है। क्या आप जानते हैं इन दोनों देशों के बीच होने वाले मैच में टिकटों से कितनी कमाई होती है, विज्ञापन का क्या खर्च आता है?

अब ये दोनों टीमें एक बार फिर से 14 सितंबर 2025 को एशिया कप में भिड़ने वाली है। ऐसे में टिकटों की जबरदस्त मांग के साथ-साथ विज्ञापन का शुल्क भी काफी बढ़ गया है। टिकट और एड से आने वाला रेवेन्यू से हर क्रिकेट प्रेमी को हैरान कर देगा। भारत-पाकिस्तान आखिरी बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भिड़े थे। यह मैच दुबई में 23 फरवरी 2025 को खेला गया था। एशिया कप टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच के लिए टिकट पैकेजों की कीमत क्रमशः 11,390 रुपये और 12,589 रुपये है। इससे पहले 23 फरवरी को दुबई में ही इन दोनों देशों के बीच हुए क्रिकेट मैच में टिकटों की बिक्री से कमाई का मानो रिकॉर्ड टूट गया। 23 फरवरी 2025 को खेले गए इस मैच में टिकट की बिक्री से अनुमानित 45.6 मिलियन दिरहम (1,09,49,77,296 रुपये) की कमाई हुई, यानी एक मैच से टिकट के नाम पर 1 अरब रुपये की कमाई हो गई। टिकटों की ब्रिकी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि प्रीमियम प्राइस के बावजूद सभी 25,000 सीटें फुल रही। टिकटों की कीमतें नॉर्मल एंट्री के लिए श्वष्ठ 500 (12006 रुपये) से लेकर श्वष्ठ 5,000 (120063) तक थीं। खास बात है कि इस कमाई के साथ भारत-पाकिस्तान के बीच हुआ ये मुकाबला क्रिकेट इतिहास के सबसे आकर्षक मैचों में से एक बन गया।

फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी देने जा रही बोनस शेयर, हॉलीवुड फिल्मों तक के लिए करती है VFX बनाने का काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में लिस्टेड फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी एक कंपनी ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। खास बात कि पुणे स्थित डिजिकोर स्टूडियो लिमिटेड नेटफ्लिक्स, मार्वल स्टूडियो के लिए VFX बनाती है। एक्सचेंज को दी फाइलिंग में कंपनी ने इस बात की जानकारी दी है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1꞊1 के रेशियो में बोनस इश्यू का ऐलान किया है। इसका मतलब है कि शेयरधारकों को हर एक शेयर के बदले में एक बोनस शेयर मिलेगा।

कंपनी ने बताया कि बोनस शेयर, बोर्ड की मंजूरी की तारीख से दो महीने के भीतर जमा किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, यह कंपनी की आगामी एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने कहा कि बोनस इश्यू के लिए वह जल्द ही रिकॉर्ड डेटा का ऐलान करेगी।

डिजिकोर स्टूडियो लिमिटेड, साल 2000 में इनकॉरपोरेट हुई कंपनी है, जो फिल्म निर्माण के लिए विजुअल इफेक्ट्स और डिजिटल शो मुहैया कराती है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जेल प्रहरी की दबंगई: वर्दी में मनाया जन्मदिन, पार्टी में शराब के साथ शामिल हुए शातिर अपराधी

सतना। मध्य प्रदेश के जिला दतिया के बाद अब सतना में भी जेल प्रहरी की दबंगई सुर्खियों में है। केंद्रीय जेल सतना में चौकी क्रमांक 2 पर तैनात प्रहरी संजीव गुर्जर ने वर्दी पहनकर ही जन्मदिन की पार्टी मनाई। फिल्मी अंदाज में केक काटा गया और जमकर शराब की बोतलें छलकाई गईं। इस पार्टी में शहर के कई शातिर अपराधियों की मौजूदगी ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वर्दी में बुलेट पर 'राजा स्टाइल' केक काटा जानकारी के मुताबिक, 4 सितंबर को संजीव गुर्जर ने जेल परिसर के बाहर बुलेट मोटरसाइकिल पर खड़े होकर केक काटा। पार्टी का आयोजन पूरी तरह फिल्मी अंदाज में किया गया। तस्वीरों और वीडियो में प्रहरी वर्दी पहने दिखाई दे रहा है, जबकि शराब के जाम पर जाम चल रहे हैं।

पहले भी शराबखोरी में पकड़ा गया था प्रहरी यह वही प्रहरी है, जिसे जेलर श्रीकांत त्रिपाठी ने हाल ही में कड़ी फटकार लगाई थी। 31 अगस्त की रात लगभग 1 बजे संजीव गुर्जर को चौकी क्रमांक 2 पर हिस्ट्रीशीटर अपराधियों के साथ शराबखोरी करते रंगेहाथ पकड़ा गया था। जेलर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसकी एमएलसी जिला अस्पताल में कराई थी और नशे में ड्यूटी करने पर चेतावनी दी थी।

फटकार के बाद भी पार्टी में दिखी दबंगई

फटकार और कार्रवाई के बावजूद संजीव गुर्जर ने दबंगई का परिचय देते हुए जेल प्रशासन की साख को धूमिल किया। वर्दी में पार्टी देकर उसने अधिकारियों को खुली चुनौती दी है। जेल प्रशासन पर उठे सवाल

इस पूरी घटना से यह साफ हो गया है कि जेल में प्रहरी और अपराधियों की मिलीभगत कितनी गहरी है। जिन अपराधियों पर जेल की सलाखों में अंकुश लगाना था, वही प्रहरी उनके साथ जाम टकराते दिखाई दे रहे हैं। अब सवाल उठ रहा है कि इस मामले पर जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों की क्या कार्रवाई होगी।

अभी इस बात की जानकारी नहीं है, अगर ऐसा है तो इस पर एक्शन लिया जाएगा।

-लीना कोष्टा, जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल सतना

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, 3 की मौत, 4 घायल

जबलपुर। पाटन-शहपुरा मार्ग पर तेज गति से आई एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारा। उसके बाद अनियंत्रित कार नाले की लगी रैलिंग से टकराते हुए आगे जाकर पलट गई। दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे सहित एक अन्य महिला की मौत हो गई। मृतकों में पाटन के कटरा मोहल्ला निवासी शकीला बी (46), उसका बेटा मोहम्मद फैजान (22) और ग्राम कनहरपुरा निवासी फगनी बाई (60) शामिल है। दुर्घटना में कार सहित चार चार लोग घायल है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

हादसे में 3 की मौत, 4 घायल-पाटन के कटरा मोहल्ला निवासी शकीला बी, पुत्र फैजान और शेख रमजान (15) के साथ शनिवार की रात को शहपुरा जा रहे थे। उनकी मोटर साइकिल को रास्ते में ग्राम ग्वारी के पास तेज गति से आई कार क्रमांक एमपी 20 जेड एन 8904 ने टक्कर मार दिया। दुर्घटना गांव के पास एक नाले के पास हुआ। कार की गति इतनी ज्यादा थी कि मोटर साइकिल के परखच्चे उड़ गए। मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे छिटक-कर गिरे। मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद कार अनियंत्रित हो गई। जिसे देखकर सामने से आ रही एक अन्य कार क्रमांक एमपी 34 सीए 0250 के चालक ने भी नियंत्रण खो दिया।

अनियंत्रित कार से बचने के लिए सामने से आ रही कार ने चालक ने प्रयास किया। लेकिन कार ने मौके से पैदल गुजर रही महिला फगनी बाई को भी चपेट में ले लिया। फगनी बाई और मोटरसाइकिल सवार शकीला की मौके पर ही मौत हो गई। शकीला के पुत्र फैजान और रमजान को गंभीर स्थिति में अस्पताल भेजा गया। जहां, उपचार के दौरान रविवार को सुबह फैजान ने भी दम तोड़ दिया। कार सवार तीन लोगों भी घायल है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

टक्कर के बाद नाले में गिरी, सुबह मिला शव-दुर्घटना पर मौके पर पहुंची पुलिस को मोटर साइकिल सवार मां और उसके दोनों घायल पुत्र मिले। रविवार को सुबह पुलिस ने मौके पर जांच के लिए पहुंची तो वहां नाले में महिला का शव मिला। जांच की गई तो पता चला कि शनिवार की रात को फगनी बाई गौंड ग्राम ग्वारी में राजेंद्र सिंह ठाकुर के खेत में मजदूरी करने जा रही थी। वह देर रात तक खेत नहीं पहुंच थी। पुलिस ने ददरगवां निवासी शिवपाल सिंह को बुलाया तो उसने शव की पहचान अपनी सास फगनी बाई के रूप में की। आरंभिक जांच में पता चला है कि कार एमपी 34 सीए 0250 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए राहगीर फगनी बाई को टक्कर मारा। तेज टक्कर लगने से वह पास के नाले में जाकर गिर गई। रात होने के कारण किसी को उनका शव नहीं मिला। सुबह जांच के बाद पुलिस ने शव को निकलवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

160 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से ट्रेन चलाने की तैयारी, Automatic Signal से लैस हुआ यह रेलखंड

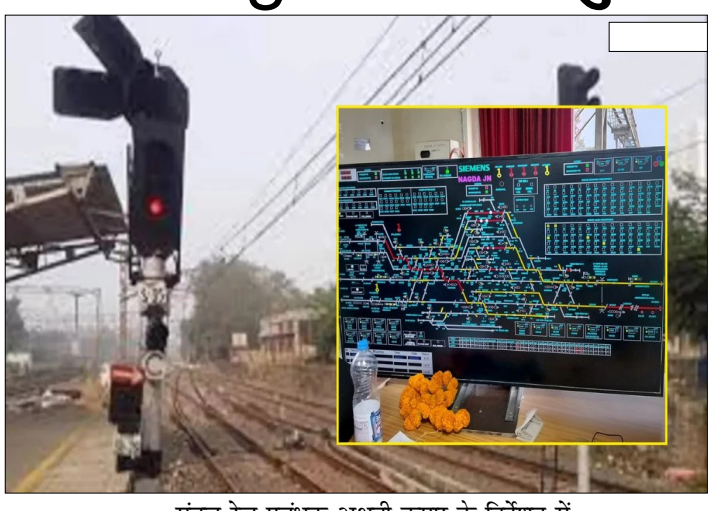

,रतलाम। रेलवे सिग्नलिंग तकनीक को बेहतर करते हुए मुंबई-दिल्ली रेलमार्ग पर रतलाम रेलमंडल के 'ई' कैबिन से नागदा जंक्शन के बीच 38 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर एक बार में ही ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली चालू कर दी गई है। शनिवार को सिर्फ छह घंटे के समय में यह काम पूरा कर लिया गया। इससे पहले रेलमंडल के कांसुधीङ्कपिपलोद सेक्शन में 28 किमी में यह तकनीक लागू हो चुकी थी।

नए कमीशन के बाद अब रतलाम मंडल में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग की कवरेज 66 किलोमीटर हो गई है। दरअसल दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग पर ट्रेनों की स्पीड 160 किमी प्रतिघंटा करने के लिए मिशन रफ्तार में ब्रिजों की मरम्मत, ओएचई रख-रखाव, सिगनलिंग सिस्टम में सुधार, कर्व री-अलाइनमेंट, एचबीम स्लीपर लगाने के साथ ही कवच सुरक्षा प्रणाली भी लागू की जा रही है। कवच 4.0 का ट्रायल मंडल के सेक्शन में हो चुका है। 303 किमी का वडोदरा-रतलाम-नागदा सेक्शन गैर ऑटोमैटिक था, जिसे अब ऑटोमैटिक किया जा रहा है।

छह स्टेशन जुड़े, रिकॉर्ड समय में काम

रतलाम ई केबिन, बांगरोद, रूनखेड़ा, खाचरोद, बेड़ावन्या और नागदा स्टेशनों को एक साथ आटोमैटिक सिग्नलिंग से जोड़ दिया गया। मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार के निर्देशन में वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (समन्वय) आरएस. मीना और मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (स्पेशल वर्क्स) दिव्या पारिक की देखरेख में टीम ने इसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया।

यह तकनीक रेलवे के लिए भविष्य की रीढ़ कही जा रही है। इसमें इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग विजुअल डिस्प्ले यूनिट, सीमेंस डिजिटल एक्सल काउंटर और 100 प्रतिशत रेडंडेंसी वाली आइपीएस पावर सप्लाई जैसी सुविधाएं हैं।

क्या है आटोमैटिक सिग्नलिंग

पारंपरिक मैनुअल सिग्नलिंग की जगह पूरी तरह इलेक्ट्रानिक और डिजिटल सिस्टम।

ट्रेन की लोकेशन अपने आप ट्रैक पर डिटेक्ट होती है।

सिग्नलिंग स्वतः नियंत्रित होती है, मानवीय गलती की संभावना घटती है।

रीयल टाइम मानीटरिंग और डेटा लागिंग की सुविधा।

ट्रेन संचालन त्रुटिहीन और सुरक्षित होता है।

एक ही ट्रैक पर अधिक ट्रेनें चलाने की क्षमता मिलती है।

हाईस्पीड में कवच सिस्टम देगा सुरक्षा

पश्चिम रेलवे के मुंबई-दिल्ली रेलमार्ग पर वर्ष 2026 तक ट्रेनों की स्पीड 160 किमी प्रतिघंटा करने पर काम हो रहा है। इसमें सुरक्षा के लिए कवच प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। इसमें रतलाम-दाहोद-गोधरा तक कवच का ट्रॉयल हो चुका है। कवच सिस्टम में इंजन पर लगे सेंसर, जीपीएस सिस्टम से एक ही ट्रेक पर दो ट्रेनों के आमने-सामने आने पर स्वचलित ब्रेक लग जाते हैं। आरडीएसओ द्वारा विकसित कवच को ट्रेन टकरावों को रोकने, खतरे में सिगनल पासिंग से बचने में लोको पायलटों को सहायता मिलती है। ट्रेनें तय गति सीमा के भीतर चले और इसकी रियल टाइम निगरानी भी होगी। किसी भी सिगनल का उल्लंघन करने पर डेटा रिकार्ड में आ जाएगा। फोट-आटोमैटिक सिग्नलिंग के लिए लगाए गए उपकरण। फोटो-आटोमैटिक सिग्नल में एक स्क्रीन पर ही सभी ट्रेनों की स्थिति देखी जा रही है।

जूनियर डॉक्टर चला रहे ट्रॉमा सेंटर, गंभीर मरीजों की सेहत से हो रहा खिलवाड़

ग्वालियर। जयारोग्य अस्पताल के ट्रामा सेंटर में इन दिनों इलाज की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सिर की चोट, फ्रैक्चर और एक्सीडेंट जैसे गंभीर मामलों में समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर न मिलने से मरीजों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। रोजाना 25 से ज्यादा गंभीर केस ट्रामा सेंटर में पहुंचते हैं लेकिन उन्हें उपचार के लिए जूनियर रेजीडेंट डॉक्टरों पर छोड़ दिया जाता है। इनके पास अनुभव तो है पर विशेषज्ञता नहीं, जिससे उपचार में जोखिम बढ़ जाता है। सड़क हादसे में गंभीर घायल होकर दतिया से आए यश नामक युवक को रविवार दोपहर ट्रामा सेंटर में समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक का परामर्श नहीं मिल सका। जूनियर डॉक्टरों ने अपने स्तर पर विभिन्न जांच कर इलाज शुरू कर दिया। स्वजन ने बताया कि समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं आने से चिंता बढ़ गई। बार-बार मौके पर मौजूद जूनियर डॉक्टर से ही बेहतर इलाज की गुहार लगाते रहे लेकिन सीनियर चिकित्सक नहीं आए।रोस्टर में ऑन कॉल ये थे नाम रविवार रोस्टर में न्यूरो सर्जरी से डॉ. आनंद शर्मा, आर्थोपेडिक से डॉ. उत्कर्ष पाल, जनरल सर्जरी से डॉ. अंकित शर्मा और ओएमएफएस से डॉ. अभिषेक पाठक की ऑन कॉल ड्यूटी थी।

इंदौर की गौरवशाली परम्परा के अनुरूप रातभर निकला नयनाभिराम झाँकियाँ और

इंदौर। इंदौर की गौरवशाली परम्परा के रूप में अनन्त चतुर्दशी चल समारोह पूर्ण श्रद्धा, आस्था एवं अपार उत्साह-उमंग और व्यापक जनभागीदारी के साथ सम्पन्न हुआ। नागरिकों ने इस उत्सव के प्रति अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुये शहर की परम्परा को अपार उत्साह और उमंग के साथ आगे बढ़ाया। रातभर जोश और उल्लास के साथ चल समारोह में निकली नयनाभिराम झाँकियों और अखाड़ों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने हजारों लोगों का मन मोह लिया। जिला प्रशासन द्वारा गठित झाँकी तथा अखाड़ा निर्णायक समितियों द्वारा पुरस्कार के लिये सर्वसम्मति से श्रेष्ठ झाँकियों और अखाड़ों का चयन किया गया। झांकी में हुकमचंद मिल की नरकासुर का वध झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसी तरह अखाड़ों में छोगालाल उस्ताद व्यायामशाला और चंद्रपाल उस्ताद व्यायामशाला को प्रथम स्थान मिला। इसी तरह महिला वर्ग का प्रथम पुरस्कार श्री रामनाथ गुरू शस्त्रकला व्यायामशाला को दिया गया।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने चल समारोह सुचारू रूप से सम्पन्न होने पर इंदौर के नागरिकों, व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों, झाँकी आयोजकों और अखाड़ों के सदस्यों तथा मीडियाकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

झाँकी निर्णायक समिति द्वारा अनुशंसित निर्णय

प्रथम पुरस्कार- हुकमचंद मिल- (नरकासुर का वध)

द्वितीय पुरस्कार- राजकुमार मिल- (लंका दहन) और मालवा मिल- (भगत के वश में है भगवान)

तृतीय पुरस्कार- कल्याण मिल- (सेना का शौर्य)

विशेष पुरस्कार- स्वदेशी मिल- (महाशिवरात्री पर शिव पूजा) और होप टेक्सटाईल मिल- (गंगा का पृथ्वी पर अवतरण)

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी परम्परा के निर्वहन में दिये जा रहे मिलो के महत्वपूर्ण योगदान के मद्देनजर पुरस्कार चयन में केवल मिलो की झाँकियों को ही शामिल किया गया था।

अखाड़ों के पुरस्कार

चल समारोह में अखाड़ों तथा व्यायाम शालाओं के युवाओं द्वारा हैरत अंगेज प्रदर्शन तथा करतब दिखाये गये। शस्त्र कला की विधा को अखाड़ों तथा व्यायामशालाओं के कलाकारों ने इतनी विविधताओं तथा बारीकियों के साथ प्रस्तुत किया कि दर्शक देखते रह गये। निर्णायक समिति ने इस बार दो विधाओं लाठी तथा दो हाथ के पटे वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार के लिये अखाड़ों का चयन किया। अखाड़ा निर्णायक समिति द्वारा इन प्रस्तुतियों की उत्कृष्टता के आधार पर निम्नानुसार निर्णय अनुशंसित किये गये हैं।

लाठी वर्ग

प्रथम - छोगालाल उस्ताद व्यायामशाला

द्वितीय - महावीर व्यायामशाला इतवारिया बाजार

तृतीय - रविदास व्यायामशाला

विशेष - गाजीगुरू व्यायाम शाला तथा अहिरवार चैतन्य व्यायामशाला

माता-पिता और बुजुर्गों को तीर्थ दर्शन कराना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना के तहत आज 200 बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों का जत्था रामेश्वरम के लिए रवाना हुआ। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इन यात्रियों का स्वागत कर यात्रा के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से धार्मिक स्थलों की मुफ्त यात्रा कराती है। इस योजना के तहत 60 वर्ष की आयु से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों को पवित्र स्थानों वाराणसी, रामेश्वरम, मथुरा, वृन्दावन, अमृतसर, वैष्णोदेवी आदि के दर्शन कराने के लिए शुरू की गई, जिसका पूरा खर्च राज्य सरकार करती है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को उनके जीवनकाल में कम से कम एक बार धार्मिक स्थलों का दर्शन कराना है। इस योजना से गरीब-धर्मप्रेमियों को लाभ हो रहा है।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर के 27 यात्रियों सहित इन्दौर जिले की 9 विधानसभाओं के 200 यात्रियों को आज सुबह इन्दौर रेलवे स्टेशन से पुष्प मालाएं पहना कर जय-जय श्री राम की जयघोष कर रामेश्वर की यात्रा पर रवाना किया गया।

सुमन सखी चैटबॉट नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम- उप मुख्यमंत्री

इंदौर। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं में नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश में जल्द ही सुमन सखी चैटबॉट सेवा प्रारंभ की जा रही है। सुमन सखी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट होगा, जो नागरिकों को गर्भावस्था के दौरान देखभाल, उच्च जोखिम कारकों की जानकारी, तथा महिलाओं से संबंधित सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह सेवा न केवल योजनाओं की जानकारी और सेवाओं तक त्वरित पहुँच उपलब्ध कराएगी, बल्कि शासन की पारदर्शिता और जनविश्वास को भी मज़बूत करेगी।

मिशन डायरेक्टर एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि सुमन सखी चैटबॉट राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीएसईडीसी) के सहयोग से विकसित किया गया है। सुमन सखी चैटबॉट 24×7 उपलब्ध रहेगा और हिंदी भाषा में होगा, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाएँ भाषा की किसी भी बाधा के बिना इसका लाभ उठा सकें।

एक ही छत के नीचे इंदौर के डॉक्टर्स ने 536 मरीजों की सोनोग्राफी कर दिया उपचार

इंदौर। इंदौर सम्भागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर दूसरे वर्ष का 5वाँ वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार को इंदौर संभाग के धार जिले के टांडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित हुआ। धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन में बाग विकासखंड के जनजाति ग्राम टांडा में संभाग स्तरीय वृहद स्वास्थ्य शिविर में मेडिकल कॉलेज इंदौर, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, अरविंदो मेडिकल कॉलेज इंदौर, सीएचएल अस्पताल इंदौर, गुजरात के धीरज हॉस्पिटल एवं बड़वानी के निजी चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ-साथ धार जिले की स्वास्थ्य टीम ने संयुक्त रूप से अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

शिविर में कुल 4,233 मरीजों का समग्र उपचार किया गया। इनमें से 536 मरीजों की सोनोग्राफी, 265 मरीजों का नेत्र परीक्षण तथा 12 कैंसर से पीड़ित मरीजों का विशेष परीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त 72 मरीजों के दांतों का उपचार, 191 मरीजों के चर्म रोग का परीक्षण, 84 मरीजों का नाक- कान-गला परीक्षण, 239 सिकल सेल स्क्रीनिंग, 7 मनोरोग के मरीजों की जांच, 154 शिशु रोग का परीक्षण, 136 हृदय रोग जांच, 30 ईको परीक्षण, 842 आयुष विभाग के मरीजों का उपचार किया गया।

उपचार के साथ ही शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने के लिए जोड़ा गया- शिविर में स्वास्थ्य जांच और उपचार के अलावा मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी आवश्यक पंजीयन किया गया। इस दौरान 186 आयुष्मान कार्ड बनाए गए और 12 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की। साथ ही 81 मरीजों का एक्स-रे परीक्षण भी किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य विभिन्न बीमारियों से ग्रसित 981 मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया।

यह शिविर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री सरदार सिंह मेड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। श्री मेड़ा ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भविष्य में भी नियमित रूप से किया जाएगा ताकि गरीब और आम जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया मऊगंज के बहुती जल प्रपात का अवलोकन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मऊगंज जिले के प्रवास पर नई गड़ी जनपद पंचायत के बहुती जल प्रपात का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने वाटरफॉल के नजदीक जाकर व्यू प्वाइंट से जलप्रपात की गिरती हुई दूधिया जल धारा और वहा बनने वाले इंद्रधनुष की आभा को देखा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहुती जल प्रपात के समीप कार्यक्रम स्थल पर गौपूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जंगल में विचरण करने वाली गौमाताओं को अपनी एक आवाज में अपने पास बुलाने की कला रखने वाले रकरी गांव के गौसेवक सौखीलाल यादव ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम की दीदीओं द्वारा सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहुती में हुआ पारंपरिक स्वागत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहुती पहुंचने पर पारंपरिक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊगंज की लोक कला की छात्राओं ने बघेली शैली नृत्य और स्थानीय लोक कलाकारों के दल ने अहिरहाई लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, पशुपालन डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल, विधायक सर्वश्री गिरीश गौतम, दिव्यराज सिंह और प्रदीप पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कमिश्नर रीवा श्री बी.एस. जामोद, आई.जी. श्री गौरव राजपूत, कलेक्टर श्री संजय जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रजापति सहित नागरिक मौजूद थे।

आदि कर्मयोगी अभियान में महू ब्लॉक के 52 और इंदौर ब्लॉक के 4 गांव शामिल

इंदौर। जनजाति समुदाय के उत्थान और उनके सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी आदि कर्मयोगी अभियान प्रारम्भ किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन की उपस्थिति व निर्देशन में विगत 2 से 4 सितम्बर तक कल्याणम रिजॉर्ट महू में 10 ब्लॉक मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

इस अभियान में इंदौर जिले के 56 गांव को चिन्हित किया गया है जिसमें 52 ग्राम महू ब्लॉक के तथा 4 ग्राम इंदौर ब्लॉक के लिए गए है। उक्त 10 ब्लॉक मास्टर ट्रेनर द्वारा लाइन डिपार्टमेंट के विकासखंड स्तरीय अधिकारी, क्लस्टर प्रभारीयों एवं कर्मचारियों को 8 एवं 9 सितम्बर को इंदौर जिला पंचायत सभागृह में एवं 10 व 11 सितंबर 2025 को एसडीएम कार्यालय महू में आयोजित ब्लॉक स्तरीय प्रोसेस लैब में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके पश्चात विकासखंड स्तरीय अधिकारी अपने विभाग के विभागीय अमले, ग्रामीणजनों, समाजसेवकों, शिक्षित युवाओं तथा सिविल सेवा संगठन के जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत युवाओं के साथ-साथ ग्रामों में एक दिवसीय विलेज लेवल ओरियंटेशन आयोजित कर सभाएं की जाएगी। साथ ही ट्रांजिट वॉक कर डाटा संकलन तथा ग्राम स्तर कार्य योजना तैयार करने का कार्य 30 सितम्बर 2025 तक पूर्ण कर 2 अक्टूबर 2025 की ग्राम सभा में उक्त कार्य योजना का अनुमोदन कर शासन को भेजेंगे।

बारिश के बाद इंदौर की तरफ से शुरू होगा सिक्सलेन का काम, सिंहस्थ से पहले चौड़ी होगी सड़क

इंदौर। इंदौर व उज्जैन के बीच छहलेन रोड का काम वर्षाकाल की वजह से धीमा है, लेकिन मानसून सीजन खत्म होने के बाद काम तेज गति पकड़ेगा। इंदौर वाले हिस्से में भी काम शुरू होगा। छह लेन सड़क में ज्यादातर बाधक निर्माण इसी हिस्से में है। अभी सांवेर, तराना व निनौरा वाले हिस्से में काम चल रहा है। निर्माण कार्य के कारण वाहनों को इंदौर से उज्जैन जाने में समय भी ज्यादा लग रहा है। इस कारण कई वाहन चालक उज्जैन से देवास होते हुए इंदौर आ रहे है। फोरलेन के दोनों तरफ एक-एक लेन का बेस बनाने का काम फिलहाल किया जा रहा है। पुरानी पुलिया भी कई जगह तोड़ी जा रही है। निर्माण एजेंसी पहले ब्रिज बनाने पर जोर दे रही है, ताकि वह तय समयसीमा में बन जाए। इस प्रोजेक्ट के लिए पिछले दिनों कुछ बाधक निर्माण हटाए गए थे। सबसे ज्यादा बाधक निर्माण इंदौर वाले हिस्से में है। इस कारण अभी वहां निर्माण शुरू नहीं हुआ है। इस सड़क को इंदौर से जोड़ने के लिए एमआर-12 सड़क भी बनाई जा रही है, जो सीधे बायपास से उज्जैन रोड को कनेक्ट करेगी। इसके अलावा पितृ पवर्त से उज्जैन के चिंतामन गणेश मंदिर क्षेत्र तक भी पचास किलोमीटर लंबी सड़क की मंजूरी सरकार ने दी है।

डेढ़ हजार करोड़ में बनेगी सड़क- 12 साल पहले लगे सिंहस्थ मेले से पहले इंदौर-उज्जैन रोड को फोरलेन किया गया था। अब उसे छहलेन किया जा रहा है। इंदौर के अरविंदो अस्पताल चौराहा से उज्जैन के हरिफाटक ब्रिज तक 48 किलोमीटर लंबी सड़क के दोनों तरफ एक-एक लेन बढ़ाई जाएगी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

उज्जैन । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि, अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला चिकित्सालय चरक भवन में नर्सिंग आफिसर तथा नर्सिंग छात्राओं के द्वारा शपथ, रंगोली, पोस्टर, रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, डॉ. संगीता पलसानिया व क्वालिटी टीम सहित कर्मचारी भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि, जिला चिकित्सालय, में गत दिवस को 06 वां अंतरराष्ट्रीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर आमजन मानस में जागरूकता के लिए आगामी 09 सितम्बर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा । जिसका उद्देश्य वर्ष 2025-2026 को अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस की थीम ÷वायु के लिये दौड़÷ अर्थात् समस्त के लिये स्वच्छ वायु प्रदान करने के लिये समाधान और सामूहिक कार्यवाही में तेजी लाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालना है।

जीवन में वृध्दजनों का आदर करें, दुर्योधन ने अनादर किया महाभारत हो गई – धन्वंतरी दास जी महाराज

उज्जैन। जीवन में हमेशा वृध्द लोगों का आदर करना चाहिये, आजकल वृध्द घर में बैठे रहते हैं, हम उनसे बात ही नहीं करते, जो अनुभव उनके पास है, वो आपके हमारे पास नहीं है। कोई भी काम करो तो माता पिता, वृध्दजनों की आज्ञा मांग ही लेना चाहिये, उनकी बात का अनादर नहीं करना चाहिये। दुर्योधन ने वृध्दों की नहीं सुनी, महाभारत हो गई। जवानी का जोश तो काम आ जाएगा पर जोश में होश नहीं होगा तो वह जोश व्यर्थ चला जाएगा, जोश में होश में रखने का काम बड़े बुजुर्ग करते हैं।

यह बात श्रीमद्भागवत के तृतीय दिवस की कथा में श्री धाम वृंदावन से पधारे श्री धन्वंतरी दासजी महाराज ने श्रीमद् भागवत में कही। महाराजश्री ने कहा जीवन में आगे बड़ना है तो अच्छो के संग रहे, आपका संग बताता है आपका भविष्य कैसा होगा। माता पिता ध्यान रखें अपनी बेटियों की मित्रता किसके साथ है, बेटे का दोस्त कैसा है। क्योंकि संग को जीतना चाहिये, जितना सत्संग का प्रभाव है, इससे कहीं ज्यादा कुसंग का प्रभाव है, जीवन में सत्संग भले न मिले, पर कुसंग से बचे रहो। श्रीमद्भगवत कथा के आयोजक हर्ष जायसवाल ने बताया कि जायसवाल परिवार द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन महाराजश्री ने भागवत निरुपण, चतुश्लोकी, भागव विदुर मैत्रय संवाद, कपिलोपाख्यान, सतीष चरित्र एवं ध्रुव चरित्र की कथा सुनाई। स्व. बृजलाल जायसवाल, स्व. प्रभादेवी जायसवाल, स्व. सुरेशचंद जायसवाल, स्व. कुसुम देवी जायसवाल, स्व. अशोक जायसवाल की स्मृति में हो रही श्रीमद् भागवत कथा हेतु श्री धाम वृंदावन के प्रसिद्ध कथा वाचक अनंत सम्पन्न सदुरूदेव, महंत मदन मोहन दास के कृपा पात्र शिष्य धन्वंतरि दास महाराज श्रीमद्भगवत कथा करने के लिए पहली बार उज्जैन पधारे है। यह श्रीमद्भगवत कथा 6 सितंबर से प्रारंभ हुई जो 12 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक महाकाल परिसर, हीरामिल रोड़, कोयला फाटक चौराहा पर चल रही है।

अली मैमून ने ट्रैकिंग में प्रथम पुरस्कार से हुआ सम्मानित

उज्जैन। बोहरा समाज के युवक अली मैमून पुत्र मुर्तज़ा अली बड़वाहवाला ने लद्दाख में आयोजित एक कार्यक्रम में 16,077 फीट की ऊंचाई पर बिना ऑक्सीजन सिलेंडर की मदद से पहुंचकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह कार्यक्रम पांच दिनों तक चला, जिसमें देश भर के बच्चे और युवा शामिल हुए। अली मैमून की इस उपलब्धि से उज्जैन का नाम रोशन हुआ है और युवाओं को साहसिक गतिविधियों और फिटनेस के लिए प्रेरित किया है।अली मैमून ने अपनी इस उपलब्धि से साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प ,धैर्य और हिम्मत से कोई भी चुनौती पार की जा सकती है। कम ऑक्सीजन और कठिन मार्ग जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए भी उन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया।

श्रीजी के अभिषेक के साथ हुई सामूहिक क्षमावाणी

उज्जैन। अतिशय क्षेत्र नेमीनाथ जिनालय जयसिंह पूरा पर समग्र दिगंबर जैन समाज उज्जैन की सामूहिक क्षमा वाणी श्री जी के अभिषेक के साथ संपन्न हूई।

पर्व राज पर्युषण की दस दिवसीय धार्मिक आराधना पूर्ण होने के अवसर पर परम्परा से क्षमावाणी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर अतिशय क्षेत्र जयसिंहपूरा जिनालय से एक चल समारोह निकाला। जिसमे श्रीजी रजत बेदी में विराजमान कर समाज बंधुओ के कंधे पर विराजमान रहे। चल समारोह गउ घाट पाले तक जाकर पुनः जीनालय पहुँचा। यहां श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा सम्पन्न हुए98279 11131। इस वर्ष पूज्य मुनि प्रणुत सागर जी महाराज का पावन सानिध्य इस आयोजन को प्राप्त हूआ। अभिषेक पूर्व मुनि श्री के आशीर्वाचन हुवे तथा अभिषेक व शांति धारा में प्रथम स्वर्ण कलश का लाभ दिनेश कुमार भरत कुमार वेध, दित्तीय स्वर्ण कलश अश्विन रूचि कासलीवाल, प्रथम रजत कलश मोहन लाल भव्य बड्जत्या, द्वितीय रजत कलश अनिल कुमार राजेश कुमार गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ।

संजा में समाहित है अनेक ललित कलाएं – डॉ.चौरसिया

मालवी लोककला एवं परंपराओं पर आधारित लेकर डेमोंसट्रेशन

उज्जैन। संजा हमारे जीवन में अनेक परंपराओं एवं मर्यादाओं का पाठ पढ़ाती है, इसमें चित्रकला, मूर्ति कला, प्रकृति प्रेम, गीत, संगीत आदि कलाओं का समावेश है जो मानव को जीवंत बनाए रखती है।

यह उद्गार अ.भा. संजा लोकोत्सव के तृतीय दिवस शासकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित मालवी लोककला एवं परंपराओं पर आधारित लेक्चर डेमोंसट्रेशन के अवसर पर मालवी के मूर्धन्य साहित्यकार डॉ शिव चौरसिया के हैं। इस अवसर पर प्रतिकल्पा की निदेशक डॉ. पल्लवी किशन ने विद्यार्थियों को लोक कलाओं का महत्व बताते हुए उससे जुड़ने के लिए घरों में मालवी बोली बोलने, गोबर से संजा बनाने के लिए प्रेरित किया। विस्तृत जानकारी देते हुए संजा- मानव विशेषज्ञ शीला व्यास ने बताया कि अ.भा. संजा लोकोत्सव का आयोजन संस्कृति विभाग नई दिल्ली, संस्कृति संचालनालय म.प्र., आई सी सी आर नई दिल्ली,उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में डॉ. अजय भार्गव प्राचार्य कालिदास कन्या महाविद्यालय, डॉ. पुष्पा चौरसिया वरिष्ठ साहित्यकार अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर कालिदास कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने संगीत विभाग अध्यक्ष डॉ मीना मोघे, डॉ. इब्राहिम अली एवं राकेश घुंगरे के निर्देशन में गीतों की प्रस्तुति दी। गीतों की प्रस्तुति में कुमारी करीना सोनगरे, पलक बेलिया, राखी सेन, भामिनी शर्मा, पूजा यादव ,पलक मोदी ,दिव्या नरवरिया,प्रीति सुनहरे, परी शर्मा ने गीतों की प्रस्तुति दी एवं प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्थाओं की कलाकारों ने संजा लोकगीतों पर पर नृत्य प्रस्तुति दी। अंजलि समाधिया ने गोबर से संजा बनाकर छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर तरुणा जोशी, प्रवीण चतुर्वेदी, जान्हवी तेलंग, नैना सिंह सोलंकी, लकी राठौर, एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय का स्टाफ व बड़ी मात्रा में छात्राएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कविता जैन एवं आभार डॉ. आनंद सिंघल ने व्यक्त किया। संजा लोकोत्सव में आज संजा व मांडना प्रतियोगिता

अ.भा. संजा लोकोत्सव के तृतीय दिवस में आज सत्य सांई सनातन विद्यालय इंदौर रोड़ पर प्रातः 11 बजे संजा एवं मानना बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

श्री रास मंडल के बच्चों ने झांकी में दिखाया प्रदर्शन खिलाड़ियों को 31 पुरस्कारों से सम्मानित किया

उज्जैन। इंदौर में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर चल समारोह निकाला जाता है। जिसमें शहर की विभिन्न मिलो और संस्थाओं द्वारा तैयार की गई झांकियां शामिल होती हैं। इस साल के चल समारोह में 6 मिलों की 16 झांकियां और 4 संस्थाओं की 12 अन्य झांकियां शामिल हुईं। अध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी (खलीफा) एवं सचिव संदीप सूर्यवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक नगरी उज्जैन से इंदौर के मालवा मिल गणेशोत्सव समिति की झांकी में मां श्री रास मंडल उज्जैन के बच्चों और महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में रविदास समाज के लोग उपस्थित थे। यह चल समारोह इंदौर मालवा मिल गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष कैलाश कुशवाहा द्वारा निकाला जाता है। पिछले 91 वर्षों से यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उज्जैन मां श्री रास मंडल के प्रदर्शन को देखकर इंदौर के विभिन्न मंचों ने मंडल के अध्यक्ष खलीफा एवं खिलाड़ियों का 31 पुरस्कारों से सम्मानित किया। इन झांकियों में पौराणिक कथाओं, देवी-देवताओं और सामाजिक संदेशों को दर्शाया गया। मालवा मिल गणेशोत्सव समिति की झांकी में महिला सशक्तिकरण और धार्मिक आस्था की झलक देखने को मिली। मां श्री रास मंडल एवं रविदास समाज के बच्चों और महिला खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन न केवल उनकी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि समाज में उनकी भागीदारी और योगदान को भी उजागर करता है। 31 पुरस्कार प्राप्त करना उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इस मौके पर मंडल के उपाध्यक्ष विष्णु चौहान, बाबू फुलेरिया, नरेंद्र सिरोही (इंदौर) , चेतन सूर्य, शुभम सूर्यवंशी, चेतन सूर्यवंशी, नरेंद्र चौहान, खन्नी सूर्यवंशी, निखिल सूर्यवंशी छोटे खलीफा उज्जैन और इंदौर के सभी खिलाड़ी शामिल रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com